460.निम्नलिखित में से राजपुताना के किस क्षेत्र पर वरीक वंश ने शासन किया था?

(a) बदनौर (b) ओसियां

(c) बयाना (d) अलवर

उत्तर – (c)

व्याख्या–वरीक वंश ने राजपुताना के बयाना क्षेत्र पर शासन किया था। 371 ई. के विजयगढ़ (बयाना) प्रस्तर शिलालेख से विष्णुवर्धन नामक वरीक वंश के राजा का उल्लेख मिलता है।

461. राजस्थान के पूर्व मध्यकालीन राज्यों में ''नैमित्तिक'' पदनाम का प्रयोग किया जाता था–

(a) राजकीय कवि के लिए।

(b) लोक स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख के लिए।

(c) राजकीय ज्योतिष के लिए।

(d) मुख्य न्यायिक अधिकारी के लिए।

उत्तर-(c)

RPSC RAS/RTS 2018

व्याख्या- राजस्थान के पूर्व मध्यकालीन राज्यों में 'नैमित्तिक' पदनाम का प्रयोग 'राजकीय ज्योतिष' के लिए किया जाता था।

(iv) राजस्थान में ब्रिटिश साम्राज्य

462. महारानी विक्टोरिया के स्वर्ण जुबली उत्सव में भाग लेने के लिए 1887 में, मारवाड़ के प्रतिनिधि के रूप में किसे इंग्लैण्ड भेजा गया?

(a) विजय सिंह (b) कल्याण सिंह

(c) जसवंत सिंह (d) प्रताप सिंह

Rajasthan CET (G. Level) 2022 Set-D

Ans. (d) : 1887 ई. में रानी विक्टोरिया के शासन के 50 वर्ष पूरे होने पर लंदन में स्वर्ण जयंती समारोह मनाया गया। इस अवसर पर महाराजा जसवन्त सिंह ने प्रताप सिंह को मारवाड़ के प्रतिनिधि के रूप में लन्दन भेजा।

463. निम्नलिखित ठिकानों में से किसने 'चँवरी कर' लगाया?

(a) कुचामन (b) डीडवाना

(c) भैंसरोड़गढ़ (d) बिजौलिया

Rajasthan CET (G. Level) 2022 Set-A

Ans. (d) : राजस्थान में ब्रिटिश शासकों एवं सामंतों द्वारा कृषकों का आर्थिक शोषण अनेक प्रकार के कर आरोपित कर दिया जाता था। बिजौलिया के ठाकुर किशन सिंह ने चँवरी कर (लड़की की शादी करने पर 5 रुपये का कर) लगाया था। इन असंगत करों के विरोध में बिजौलिया किसान आंदोलन शुरू किया गया था।

464. 1835 में अंग्रेजों ने जोधपुर लीजियन का गठन किया जिसका केन्द्र _____ रखा गया।

(a) नसीराबाद (b) एरिनपुरा

(c) खैरवाड़ा (d) नीमच

RPSC Prayogshala Sahayak (Vigyan) 28-06-2022

Ans. (b) : जोधपुर लीजियन का गठन ईस्ट इंडिया कम्पनी के द्वारा 1835 में जोधपुर में किया गया, जिसका मुख्यालय एरिनपुरा था। इसका नियंत्रण ब्रिटिश कम्पनी के हाथ में था परन्तु इसका खर्च जोधपुर सम्राट के ऊपर भारित किया गया था।

465. कथन (A) : राजस्थान के राज्यों ने अंग्रेजों के साथ अधीनस्थ संधियाँ की थीं।

कथन (R) : उन्हें साम्राज्यवादी शक्ति के संरक्षण की आवश्यकता थी।

(a) (A) गलत है व (R) सही हैं।

(b) (A) सही हैं, और (R) गलत है।

(c) (A) और (R) दोनों सही हैं, किन्तु (R), (A) की ठीक व्याख्या नहीं करता।

(d) (A) और (R) दोनों सही हैं, (R), (A) की ठीक व्याख्या करता है।

RPSC-2011

Ans. (b) : कथन (A) : राजस्थान के अधिकांश राज्यों ने अंग्रेजों के साथ अधीनस्थ संधियाँ /संधियाँ की थी। सिद्धांत रूप से इन राज्यों के बहारी मामले ब्रिटिश हाथों में चले गए और आंतरिक मामलों में शासकों को नाममात्र की स्वतंत्रता दी गयी। अतः कथन (A) सही है।

कथन (R) : उन्हें (राजपूत) साम्राज्यवादी शक्ति के संरक्षण की आवश्यकता थी यह कंथन गलत है

इसप्रकार -कथन (A) सही और (R) गलत है।

अतः विकल्प (b) सही है।

466. जब राजपूताना की रियासतों के साथ 1818 की संधियां हुयी थीं; तब भारत का गवर्नर जनरल कौन था?

(a) लार्ड वेलेजली (b) लार्ड हेस्टिंग्स

(c) लार्ड विलियम बेंटिक (d) वारेन हेस्टिंग्स

वनपाल भर्ती परीक्षा-2020 date 06.11.2022 Shift-I

Ans. (b) : जब राजपूताना की रियासतों के साथ 1818 की संधियां हुई थी; तब भारत का गवर्नर जनरल लार्ड हेस्टिंग्स था। लार्ड हेस्टिंग्स 1813-1823 तक भारत का गवर्नर जनरल रहा। लार्ड हेस्टिंग्स के आदेश पर चार्ल्स मेटकॉफ ने सहायक संधियों को सम्पन्न किया था। संधियों पर अंग्रेजों की तरफ से चार्ल्स मेटकॉफ के हस्ताक्षर होते थे।

467. दिसम्बर 1817 में अंग्रेजों के साथ संधि के समय कोटा के महाराव कौन थे?

(a) उम्मेदसिंह I (b) किशोर सिंह

(c) रामसिंह I (d) रामसिंह II

वन रक्षक भर्ती परीक्षा-2020 दिनांक 13-11-2022

Ans. (a) : दिसम्बर 1817 में अंग्रेजों के साथ संधि के समय कोटा के महाराव उम्मेदसिंह –I थे ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के साथ संधि पर हस्ताक्षर इन्ही ने किया था।

468. सिरोही राज्य के साथ अंग्रेजों ने संधि कब की थी?

(a) 1817 ई. (b) 1818 ई.

(c) 1822 ई. (d) 1823 ई.

Van Rakshak Exam 11.12.2022 Shift-I
वनपाल भर्ती परीक्षा-2020 (06.11.2022)

Ans. (d) : सिरोही राज्य के साथ अंग्रेजो ने 1823 ई0 में संधि की थी। महाराव शिवसिंह के समय 11सितम्बर को यह संधि हुई थी। सहसमल ने 1425 ई. में सिरोही नगर की स्थापना करके उसे अपनी राजधानी बनाया था। 1705 ई0 में महाराव मानसिंह सिरोही के शासक बने जिन्होने सिरोही में पक्के लोहे की तलवारे बनवाना आरम्भ करवाया। सिरोही की ये पक्के लोहे की तलवारे ''मानसाही'' नाम से प्रसिद्ध हुई।